एम.ए.-सत्रार्द्धपरीक्षापाठ्यक्रमः

(नियमितच्छात्राणां कृते)

ज्योतिर्विज्ञानम्

2019-20

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः

देवासमार्गः,उज्जयिनी (म.प्र.) 456010

दूरभाषः- (0734) 2526044, दूरप्रैषः- (0734) 2524845

अणुसङ्केतः - regpsvvmp@rediffmail.com,अन्तर्जालपुटम्- www.mpsvvujjain.org

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)
एम.ए.(ज्योतिर्विज्ञान) परीक्षापाठ्यक्रम
नियमावली

1. **पाठ्यक्रम का स्वरूप -**

एम.ए.(ज्योतिर्विज्ञान) परीक्षा का द्विवार्षिक पाठ्यक्रम चार सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध चार प्रश्नपत्र होंगे। चतुर्थ सत्रार्द्ध में 5 प्रश्नपत्र होंगे। जिसमें 5 वां प्रश्नपत्र स्वशास्त्रीय विषय पर आधारित परियोजना प्रतिवेदन के लिए 100 अङ्क निर्धारित हैं। परियोजना कार्य के अन्तर्गत छात्र अनुवाद, पाण्डुलिपि सम्पादन, प्रशिक्षण दान, सर्वेक्षण , कार्यस्थल प्रशिक्षण , लघुशोधप्रबंध लेखन आदि कार्य कर सकते हैं । परियोजना प्रतिवेदन सुवाच्य अक्षरों में लिखित या टंकित स्वीकार किया जायेगा । पाठ्यक्रम में प्रत्येक प्रश्नपत्र का पूर्णाङ्क 50 है। जिसमें 15 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 35 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. **प्रवेशनियम**

एम.ए.(ज्योतिर्विज्ञान) परीक्षा में निम्नलिखितपरीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. **परीक्षायोजना**

1. एम.ए.(ज्योतिर्विज्ञान) परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा संस्कृत होगा। हिन्दी माध्यम में प्रविष्ट छात्रोंको संस्कृत सम्भाषण डिप्लोमा करना अनिवार्य होगा । परियोजनाप्रतिवेदन की भाषा भी संस्कृत अथवा हिन्दी होगी।
2. एम.ए.(ज्योतिर्विज्ञान) परीक्षा में (प्रथम-द्वितीय-तृतीय-चतुर्थसत्रार्द्ध) उत्तीर्ण होने के लिए समष्टि रूप से 36%अङ्क तथा प्रतिप्रश्नपत्र 20% अङ्क अपेक्षित होंगे।

4. **प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना -**

प्रतिप्रश्नपत्र निम्नानुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमाक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पीय	5	1	5
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	2	10
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	4	20
4	आन्तरिकमूल्याङ्कन			15
योग				50 अङ्क

5. **श्रेणी निर्धारण**

एम.ए.(ज्योतिर्विज्ञान) परीक्षा में दोनों वर्षों (चारों सत्रार्द्ध)के सम्पूर्ण योग के आधार पर श्रेणी निर्धारण होगा।

- 60%अङ्क अथवा उससे अधिक अङ्कों की प्राप्ति पर प्रथम श्रेणी।
- 48%अङ्क से अधिक किन्तु 60%अङ्क से कम पर द्वितीय श्रेणी ।
- 36%अङ्क से अधिक किन्तु 48%अङ्क से कम पर तृतीय श्रेणी ।

स्नातकोत्तर परीक्षा पाठ्यक्रम

(एम.ए.ज्यातिर्विज्ञान)

परीक्षा-योजना

सत्रार्द्ध	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्रस्य शीर्षक	अङ्क
प्रथम	प्रथम	ज्योतिर्गणित	35
	द्वितीय	फलितज्योतिष	35
	तृतीय	पञ्चाङ्ग विमर्श	35
	चतुर्थ	सामुद्रिक,प्रश्न एवं शकुनशास्त्र	35
द्वितीय	प्रथम	ज्योतिर्गणित	35
	द्वितीय	मुहूर्तशास्त्र	35
	तृतीय	खगोलविज्ञान	35
	चतुर्थ	वास्तुशास्त्र	35
तृतीय	प्रथम	उच्चतर ज्योतिर्गणित	35
	द्वितीय	फलितज्योतिष	35
	तृतीय	संहिता ज्योतिष	35
	चतुर्थ	प्रौढ वास्तुविज्ञान	35
चतुर्थ	प्रथम	उच्चतर ज्योतिर्गणित	35
	द्वितीय	फलितज्योतिष	35
	तृतीय	संहिता ज्योतिष	35
	चतुर्थ	प्रौढ वास्तुविज्ञान	35
	पञ्चम	परियोजनाप्रतिवेदन	100
		योग	660
		आन्तरिक मूल्याङ्कन	240
		महायोग	900

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान

प्रथम सत्रार्द्ध

ज्योतिर्गणित

प्रथम प्रश्न पत्र **पूर्णाङ्क 35 +15 = 50**

इकाई 01	ज्योतिर्विज्ञान का उद्गम एवं विकास	07
इकाई 02	भचक्र एवं ग्रह, राशियाँ एवं नक्षत्र - स्वरूप, स्वामी तथा संज्ञाएँ	07
इकाई 03	ज्योतिर्वैज्ञानिक परिभाषाएँ ,पञ्चाङ्ग परिचय, पलभा सूत्र साधन	07
इकाई 04	कालगणना - त्रुटि से ब्रह्मा की आयु पर्यन्त, स्थानीय सूर्यघटी, मध्यम, मानक एवं ग्रीनविच समय तथा कालपरिवर्तन, अक्षांश एवं देशांतर, अयनांश साधन(ग्रहलाघवीय,चित्रापक्षीय)	07
इकाई 05	सूर्योदय एवं सूर्यास्त साधन (चर सारिणी,चरसूत्र एवं चरखण्ड विधि)	07

अनुशंसित पुस्तकें :

1. भारतीय ज्योतिष डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. गोल परिभाषा डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. Table of Ascendant: M.K. Lahri Astro Research Bureau Calcutta.
4. बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् श्री गणेशदत्त पाठक, सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी
5. Lahiri's Indian Ephemeris of planets position According to 'Nirayan' of sidereal system for current year.N.C. Lahiri Astro Reasearch Bureau Calcutta.
6. गोल परिभाषा पं. सीताराम झा., पं. सीताराम पुस्तकालय, चोगभा, बहेरा, दरभङ्गा
7. ज्योतिषशास्त्र डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, त्रिस्कन्ध ज्योतिषम् प्रकाशन, वाराणसी
8. बृहज्जातक वराहमिहिर, चौखम्बा संस्कृत सिरीज, वाराणसी

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान
प्रथम सत्रार्द्ध
द्वितीय प्रश्न पत्र
फलित ज्योतिष

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**जातकपारिजात** अध्याय 1 – राशिशीलाध्याय	07
इकाई 02	**जातकपारिजात** अध्याय 2 – ग्रहनामस्वरूपगुणभेदाध्याय	07
इकाई 03	**जातकपारिजात** अध्याय 6 – जातकभंगाध्याय	07
इकाई 04	**लघु पाराशरी** अध्याय 1 – संज्ञाध्याय , अध्याय 2 - योगफलाध्याय	07
इकाई 05	**लघु पाराशरी** अध्याय 3 – आयुर्दायाध्याय , अध्याय 4 – दशाफलाध्याय , अध्याय 5 – मिश्रफलाध्याय	07

अनुशंसित पुस्तकें :

1 जातकपारिजात वैद्यनाथ - पं. कपिलेश्वर शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

2 लघुपाराशरी पराशर, टीकाकार: डॉ. उमेशपुरी ज्ञानेश्वर, रणधीर प्रकाशन, हरिद्वार।

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान
प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र
पञ्चाङ्ग विमर्श

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**ग्रहलाघव** अध्याय 1 मध्यमाधिकार	07
इकाई 02	**ग्रहलाघव** अध्याय 2 रविचन्द्रस्पष्टाधिकार	07
इकाई 03	**ग्रहलाघव** अध्याय 3 पञ्चतारास्पष्टीकरणाधिकार	07
इकाई 04	**पञ्चाङ्ग व्यवहार** • संवत परिचय (सृष्ट्यादि , मन्वादि , युधिष्ठिर , कलि , महावीर निर्वाण , बौद्ध , विक्रम, शालिवाहन , मिस्री , चीनी , ग्रीक , जूलियन , ग्रेगोरियन , हिजरी , फसली, राष्ट्रीय शक) • ग्रह राशि तथा मासों के हिंदी , अंग्रेजी तथा उर्दू नाम , पञ्चाङ्ग संकेताक्षर , पञ्चाङ्ग परिवर्तन , वर्षेशादि विचार , अवकहडा चक्र तथा चौघडिया	07
इकाई 05	**व्रतोत्सव, पर्व , तिथि ,सूतक तथा श्राद्ध निर्णय** • ज्योतिर्विदाभरण- अध्याय 21 कालनिर्णय प्रकरण • तिथि निर्णय के प्रमुख सिद्धांत एवं विशिष्ट तिथि पर्व निर्णय • पञ्चांग सम्प्रदाय (सौर, ब्राह्म ,आर्य, ग्रहलाघवीय, मकरंदीय,चित्रापक्षीय) • धार्मिक सम्प्रदाय (स्मार्त,वैष्णव, शैव, निम्बार्क आदि) • लौकिक पर्व (गणेशोत्सव,राखी,रंगपञ्चमी,गणगौर, महाकाल सवारी, रावणदहन, गुडीपडवां, पोंगल, बीहू, लोहडी आदि)	07

अनुशंसित पुस्तकें :

1. ग्रहलाघव-गणेशदैवज्ञ, डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी , चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. ज्योतिर्विदाभरणं- कालिदास , व्याख्या- प्रो.रामचंद्र पाण्डेय,मोतीलाल वाराणसी दास,वाराणसी,
3. भारतीय ज्योतिष,शंकरबालकृष्ण दीक्षित,उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ ,
4. तिथि निर्णय के प्रमुख सिद्धांत एवं विशिष्ट तिथि पर्व निर्णय , डॉ. विकास शर्मा , हंसा प्रकाशन , जयपुर

अंकविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1. बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2. लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3. दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान

प्रथम सत्रार्द्ध

चतुर्थ प्रश्नपत्र

सामुद्रिक, प्रश्न एवं शकुनशास्त्र पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**सचित्र सामुद्रिक रहस्य** - पूर्वार्द्ध	07
इकाई 02	**सचित्र सामुद्रिक रहस्य** – उत्तरार्द्ध	07
इकाई 03	**षट्पञ्चाशिका अध्याय** 1,2,3,4	07
इकाई 04	**षट्पञ्चाशिका अध्याय** 5,6,7	07
इकाई 05	**वसन्तराजशाकुन** - छिक्का प्रकरणम् **मत्स्यपुराण** अ. 241 – अङ्गस्फुरण , 242 – स्वप्नविवेक, 243 – शुभाशुभशकुननिरूपण	07

अनुशंसित पुस्तकें:

1 सचित्र सामुद्रिक रहस्य - कालिकाप्रसाद - ज्योतिष प्रकाशन, वाराणसी।

2 षट्पञ्चाशिका - आचार्य पृथुयशा - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

3 वसन्तराजशाकुन - वसन्तराज - खेमराज श्रीकृष्णदास, मुम्बई।

4 मत्स्यपुराण - वेदव्यास - गीताप्रेस, गोरखपुर।

5 हस्तसञ्जीवन- मेघविजय - डॉ.सुरेश चन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, नईदिल्ली।

अंकविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान

द्वितीय सत्रार्द्ध

प्रथम प्रश्नपत्र

ज्योतिर्गणित

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**प्रमुख ज्योतिर्विद् एवम् उनकी कृतियाँ** 1. पराशर 2. आर्यभट्ट प्रथम 3. आर्यभट्ट द्वितीय 4. वराहमिहिर 5. ब्रह्मगुप्त 6. भास्कराचार्य प्रथम 7. भास्कराचार्य द्वितीय 8. लगध9. राजाभोज10. लल्ल 11. केशव 12. गणेश 13. श्रीराम 14. नीलकण्ठ 15. वैद्यनाथ16. कल्याण वर्मा 17. बापूदेव शास्त्री18. व्यङ्कटेश बापू केतकर19 सुधाकर द्विवेदी 20 शङ्कर बालकृष्ण दीक्षित	07
इकाई 02	**इष्टकाल साधन, नाक्षत्र काल साधन, लग्नानयन**	07
इकाई 03	**भयात - भभोग - साधन, स्पष्ट ग्रह - साधन**	07
इकाई 04	**दशमभाव स्पष्ट तथा द्वादश भाव चलित चक्र साधन**	07
इकाई 05	**विंशोत्तरी दशा - अन्तर्दशा – साधन** सप्तवर्गसाधन - होरा, द्रेष्काण, नवमांश, सप्तमांश, द्वादशांश एवं त्रिंशांश	07

अनुशंसित पुस्तकें:

1. भारतीय ज्योतिष: डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. Table of Ascendants: M.K. Lahiri Astro Reasearch Bureau, Calcutta.
3. बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम्: श्री गणेशदत्त पाठक, सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी
4. Lahiri's Indian Ephemeris of Planets. N.C. Lahiri, Astro Research Bureau, Calcutta.
5. भारतीय कुण्डली विज्ञान: मीठालाल ओझा, वाराणसी

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान

द्वितीय सत्रार्द्ध

द्वितीय प्रश्नपत्र

मुहूर्तशास्त्र

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**मुहूर्तचिन्तामणि** अध्याय 1 - शुभाशुभप्रकरण	07
इकाई 02	**मुहूर्तचिन्तामणि** अध्याय 2 - नक्षत्रप्रकरण	07
इकाई 03	**मुहूर्तचिन्तामणि** अध्याय 3 – संक्रान्तिप्रकरण , अध्याय 4 - ग्रहगोचरप्रकरण	07
इकाई 04	**मुहूर्तचिन्तामणि** अध्याय 6 - विवाहप्रकरण (प्रारम्भ से श्लोक 42 षड्वर्ग विचार तक)	07
इकाई 05	**मुहूर्तचिन्तामणि** अध्याय 6 - विवाहप्रकरण (श्लोक 43 से समाप्ति तक)	07

अनुशंसित पुस्तकें:

1. मुहूर्तचिन्तामणि श्रीरामाचार्य, टीकाकार: केदारदत्त जोशी, मोतीलाल बनारसीदास, प्रकाशन, दिल्ली।
2. मुहूर्तचिन्तामणि श्रीरामाचार्य, टीकाकार: डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, दिल्ली।

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान

द्वितीय सेमेस्टर

तृतीयप्रश्नपत्र

खगोल विज्ञान

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	ब्रह्माण्ड परिचय, भारतीय एवं आधुनिकमतानुसार ब्रह्माण्डोत्पत्ति	07
इकाई 02	सौरमण्डल परिचय, ग्रह एवं पृथ्वी परिचय	07
इकाई 03	राशि एवं नक्षत्र मण्डल, अन्य तारामण्डल तथा भिन्न ऋतु में आकाश दर्शन	07
इकाई 04	(1) वेध की परम्परा (प्राचीन वेधशास्त्रियों के परिचय सहित) (2) वेध यन्त्रों का सचित्र परिचय - चक्रयन्त्र, चापयन्त्र, तुरीययन्त्र, नाडीवलययन्त्र, घटिकायन्त्र, शङ्कुयन्त्र, फलकयन्त्र, यष्टियन्त्र, सम्राट्यन्त्र, भित्तियन्त्र, दिगंशयन्त्र, राशिवलययन्त्र, सूर्यघडी (3) आधुनिक वेधयन्त्र परिचय - टेलीस्कोप, इक्वेटोरियल टेलीस्कोप, जेनिथ टेलीस्कोप, टॉवर टेलीस्कोप, एक्स-रे टेलीस्कोप, अल्ट्रावायलेट टेलीस्कोप, फिलर माइक्रोमीटर, स्प्रिट लेवल, स्पेक्ट्रोस्कोप, फोटो कैमरा	07
इकाई 05	(1) भारत की प्रसिद्ध वेधशालाओं का परिचय जयसिंह द्वितीय द्वारा निर्मित वेधशालाएँ - उज्जैन, जयपुर, दिल्ली, मथुरा एवं काशी। जयसिंह परम्परा की आधुनिक भारतीय वेधशालाएँ - सम्पूर्णानन्द वि.वि. काशी, डोंगला-उज्जैन, शान्तिकुंज-हरिद्वार, लालबहादुर शास्त्री मानित वि.वि.-दिल्ली। पाश्चात्य परम्परा की आधुनिक भारतीय वेधशालाएँ - मद्रास, कोडईकनाल, नैनीताल, उटकमण्ड, तारामण्डल-कोलकाता (2) भारतेतर प्रसिद्ध वेधशालाओं का परिचय ग्रीनविच, माउण्टविल्सन, यार्क्स, माउण्ट पालमोर, आईंस्टाईन	07

अनुशंसित पुस्तकें :

1. ब्रह्माण्ड और ज्योतिष रहस्य - नंदलाल दशोरा - रणधीर प्रकाशन, हरिद्वार
2. भारतीय ज्योतिष - शंकरबालकृष्ण दीक्षित - उ.प्र.हिन्दी संस्थान, लखनऊ
3. ब्रह्माण्ड और सौर परिवार - डॉ.देवीप्रसाद त्रिपाठी, - मान्यता प्रकाशन, नईदिल्ली
4. प्रस्तर वेधशाला - भास्कर शर्मा श्रोत्रिय - हंसा प्रकाशन, जयपुर
5. वेधशाला वैभवम् - विनोद शास्त्री - हंसा प्रकाशन, जयपुर
6. भारतीय ज्योतिष यंत्रालयवेधपथ प्रदर्शक - पं. गोकुलचन्द्र भावन - हंसा प्रकाशन, जयपुर
7. भारतीय वेधपरम्परायाः क्रमिक विकासः - डॉ. रवि शर्मा - हंसा प्रकाशन, जयपुर

अङ्कविभाजन -

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान
द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थप्रश्नपत्र
वास्तुशास्त्र

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	1.वास्तुपुरुष की उत्पत्ति एवं लक्षण 2.भूमि का चयन 3. वास्तु के प्रकार 4. भूमि का परीक्षण 5. भूमि का आकार 6. भूमि का ढ्लव	07
इकाई 02	1. गृहारम्भ के समय विचारणीय विषय (मुहूर्त आदि) 2. गृहमेलापक विचार (काकिणी, वर्ग) 3. आयव्ययादि विचार 4. शालाध्रुवांक, गृहनामाक्षर,षोडश गृहनाम 5. वृषवास्तुचक्र एवं लग्नशुद्धि	07
इकाई 03	1.एकाशीति पदवास्तुमण्डल 2. चतुःषष्टि वास्तुमण्डल 3. पदानुसार गृहविन्यास 4. द्वार निर्माण 5.जलस्थान का निर्धारण 6. शुभ वृक्ष एवं वनस्पतियाँ	07
इकाई 04	1. खनन – विधि 2. वार, राशि, नक्षत्र आदि के अनुसार राहु की स्थिति पर विचार 3. शल्योद्धार 4. नींव में निवेशित वस्तुएँ (गर्भविन्यास) 5. अहिबलचक्र	07
इकाई 05	1. गृहप्रवेश विचार 2. गृहप्रवेश मुहूर्त 3. कलशचक्रशुद्धि 4. वास्तुशान्ति 5. वेधविचार	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें:

1. विश्वकर्माप्रकाश, टीकाकार - गणेशदत्त पाठक, श्री ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार, वाराणसी
2. वास्तुरत्नाकर, टीकाकार - श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
3. वृहत्संहिता (वास्तुविद्याध्याय), वराहमिहिर टीकाकार - सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लीकेशन्स, दिल्ली
4. समराङ्गणसूत्रधार: (सम्बद्ध अंश), टीकाकार- डॉ. द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल, मेहरचन्द लछमनदास पब्लिकेशन्स, दिल्ली
5. मुहूर्तचिन्तामणि, टीकाकार: श्री विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 वहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान
तृतीय सेमेस्टर
प्रथमप्रश्नपत्र
उच्चतर ज्योतिर्गणित

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**पञ्चसिद्धान्तिका** अध्याय 15 - ज्योतिषोपनिषद् (सम्पूर्ण) अध्याय 09 - सूर्यचन्द्र मध्यममान (श्लोक संख्या 1 एवं 2)	07
इकाई 02	**पञ्चसिद्धान्तिका** अध्याय 16 - ग्रहमध्यममान (सम्पूर्ण)	07
इकाई 03	**सूर्य सिद्धान्त** अध्याय 1 - मध्यमाधिकार (श्लोक संख्या 1 से 40 तक)	07
इकाई 04	**सूर्य सिद्धान्त** अध्याय 1 - मध्यमाधिकार (श्लोक संख्या 41 से अंत तक)	07
इकाई 05	**ऋक् ज्योतिष (सम्पूर्ण)**	07

अनुशंसित पुस्तकें

1 सूर्यसिद्धान्त (सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित)

2 सूर्यसिद्धान्त - अंग्रेजी अनुवाद सहित - आर.ई.वर्गीज (अनुवादक) (इन्डोलाजिकल बुक हाउस, वाराणसी, दिल्ली)

3 पञ्चसिद्धान्तिका - सुधाकर द्विवेदी (टीका) तथा सी थिबोट (अंग्रेजी अनुवाद) (चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफिस, वाराणसी-1)

4पञ्चसिद्धान्तिका, - टी.एस.कुप्पन शास्त्री तथा के.बी.शर्मा (सम्पादन) (पी.पी.एस.टी. फाउन्डेशन, अड्यार, मद्रास - 1993)

5 वेदांग ज्योतिष - डॉ. सुरेशचंद्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, नईदिल्ली।

6 वैदिक ज्योतिष - डॉ. गिरिजाशंकर शास्त्री - चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

अङ्कविभाजन -

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान
तृतीय सेमेस्टर
द्वितीयप्रश्नपत्र
फलित ज्योतिष

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**जातक पारिजात** अध्याय 7 - राजयोगाध्याय (श्लोक संख्या 1 से 107 तक)	07
इकाई 02	**जातक पारिजात** अध्याय 7 - राजयोगाध्याय (श्लोक 108 से अन्त तक)	07
इकाई 03	**योगचिन्तामणि**	07
इकाई 04	**सारावली** अध्याय 06 - कारकाध्याय, अध्याय 07 - वारेशादि कारकाध्याय अध्याय 40 - दशाध्याय, अध्याय 41 – अंतर्दशाध्याय	07
इकाई 05	**सारावली** अध्याय 10 – अरिष्टयोगाध्याय , अध्याय 11 – चन्द्रारिष्टभङ्गाध्याय , अध्याय 12 - अरिष्टभङ्गाध्याय	07

अनुशंसित पुस्तकें:

1.जातक पारिजात (श्री वैद्यनाथ विरचित) - कपिलेश्वर शास्त्री (चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी)

2.जातक पारिजात - गोपेश कुमार ओझा - मोतीलालबनारसी दास, दिल्ली।

3.सारावली - कल्याणवर्मा ,मुरलीधर चतुर्वेदी (मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी)

4.योगचिन्तामणिः और व्यवहार ज्योतिष - डॉ.राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

अङ्गविभाजन -

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान
तृतीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र
संहिता ज्योतिष

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	बृहत्संहिता अध्याय 1 उपनयनाध्याय, 2. सांवत्सरसूत्राध्याय	07
इकाई 02	बृहत्संहिता अध्याय 3 आदित्यचाराध्याय, 4 चन्द्रचाराध्याय, 5 राहुचाराध्याय	07
इकाई 03	बृहत्संहिता अध्याय 6 भौमचाराध्याय, 7 बुधचाराध्याय, 8 बृहस्पतिचाराध्याय, 9 शुक्रचाराध्याय	07
इकाई 04	बृहत्संहिता अध्याय 10 शनैश्चरचाराध्याय, 11 केतुचाराध्याय, 16 ग्रहभक्तियोगाध्याय	07
इकाई 05	बृहत्संहिता अध्याय 19 ग्रहवर्षफलाध्याय , 26 आषाढीयोगाध्याय , 28 सद्योवर्षणाध्याय	07

अनुशंसित पुस्तकें:

1. बृहत्संहिता - वराहमिहिर - अच्युतानन्द झा (चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1977)
2. मुण्डेन एस्ट्रोलॉजी - राफेल

अङ्गविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान
तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र
प्रौढ़ वास्तुविज्ञान

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**मयमत** अध्याय 7 – पदविन्यास , अध्याय 8 – बलिकर्म अध्याय 12 – गर्भविन्यास	07
इकाई 02	**मयमत** अध्याय 19 – एकभूमिविधान , अध्याय 20 – द्विभूमिविधान , अध्याय 21 - त्रिभूमिविधान	07
इकाई 03	**मयमत** अध्याय 24 – गोपुरविधान , अध्याय 25 - मण्डपसभाविधान (श्लोक 1 से 55 तक) , अध्याय 26 - शालाविधान (श्लोक 1 से 85 तक)	07
इकाई 04	**मयमत** अध्याय 27 – चतुर्गृहविधान , अध्याय 28 – गृहप्रवेश , अध्याय 30 - द्वारविधान (श्लोक 1 से 54 तक)	07
इकाई 05	**मयमत** अध्याय 35 - अनुकर्मविधान **बृहत्संहिता** अध्याय 58 - प्रतिमालक्षण	07

टीप- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें:

1.मयमत - ब्रूनो डेगेन्स (अनुवादक)(अंग्रेजी)(मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली)

2.मयमतम् - शैलजा पाण्डेय - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

3.बृहत्संहिता - वराहमिहिर - अच्युतानन्द झा (चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1977)

अङ्कविभाजन -

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र
उच्चतर ज्योतिर्गणित

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**सिद्धान्तशिरोमणि** – गोलाध्याय , अध्याय 3 -भुवनकोश	07
इकाई 02	**सूर्य सिद्धान्त** अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार (श्लोक संख्या 01 से 33 तक)	07
इकाई 03	**सूर्य सिद्धान्त** अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार (श्लोक संख्या 34 से 55 तक)	07
इकाई 04	**सूर्य सिद्धान्त** अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार (श्लोक संख्या 56 से अन्त तक)	07
इकाई 05	**सूर्य सिद्धान्त** अध्याय 12 - भूगोलाध्याय (सम्पूर्ण)	07

अनुशंसित पुस्तकें:

1.सूर्यसिद्धान्त (सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित)

2.सूर्यसिद्धान्त - अंग्रेजी अनुवाद सहित - आर.ई.वर्गीज (अनुवादक) (इन्डोलाजिकल बुक हाउस, वाराणसी, दिल्ली)

3.सिद्धांतशिरोमणि गोलाध्याय-भास्कराचार्य व्याख्याकार- केदारदत्तजोशी (मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली)

अङ्कविभाजन -

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान
चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र
फलित ज्योतिष

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**जातकपारिजात** अध्याय 11 - प्रथमद्वितीयभावफलाध्याय	07
इकाई 02	**जातकपारिजात** अध्याय 12 - तृतीयचतुर्थभावफलाध्याय	07
इकाई 03	**जातकपारिजात** अध्याय 13 - पंचमषष्ठभावफलाध्याय	07
इकाई 04	**जातकपारिजात** अध्याय 14 – सप्तमअष्टमनवमभावफलाध्याय (श्लोक 38 से 44 छोड़कर)	07
इकाई 05	**जातकपारिजात** अध्याय 15 - दशमएकादशद्वादशभावफलाध्याय	07

अनुशंसित पुस्तकें -

1. जातक पारिजात - कपिलेश्वर शास्त्री (टीकाकार) चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

अङ्कविभाजन -

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान
चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र
संहिता ज्योतिष

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**बृहत्संहिता** अध्याय 32 भूकम्पलक्षणाध्याय, 42 अर्घकांडाध्याय, 45 उत्पाताध्याय	07
इकाई 02	**बृहत्संहिता** अध्याय 51 अङ्गविद्याध्याय, 68 पुरुषलक्षणाध्याय* , 70 स्त्रीलक्षणाध्याय* *(सिर, हाथ, पैर, केश एवं मुखमण्डल के विशेष सन्दर्भ में)*	07
इकाई 03	**रत्नविमर्श** - परिभाषा, उत्पत्ति विषयक प्राचीन एवं अर्वाचीन मत, प्रकार, परीक्षा, शुभाऽशुभत्व, प्राप्ति स्थल, धारण मुहूर्त एवं धारण विधि **बृहत्संहिता**- अध्याय 80 रत्नपरीक्षाध्याय, 81 मुक्तालक्षणाध्याय, 82 पद्मरागलक्षणाध्याय	07
इकाई 04	**बृहत्संहिता** अध्याय 86 शाकुनाध्याय, 89 श्वचक्राध्याय , 99 वायसविरुताध्याय	07
इकाई 05	**बृहत्संहिता** अध्याय 103 विवाहपटलाध्याय, 104 ग्रहगोचराध्याय	07

अनुशंसित पुस्तकें:

1. बृहत्संहिता - वराहमिहिर - अच्युतानन्द झा (अनुवादक) (चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1977)
2. रत्न विमर्श - डॉ.सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय, साहित्य संगम , इलाहाबाद।
3. रत्न परिचय और चिकित्सा विज्ञान - डॉ. रामकृष्ण उपाध्याय, रणधीर बुक सेल्स, हरिद्वार।

अङ्कविभाजन -

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान

चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र

प्रौढ वास्तुविज्ञान

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**वास्तुशास्त्र का इतिहास** वेद एवं पुराणेतिहास में वास्तु , प्रमुखवास्तुशास्त्रियों का परिचय (यथा - विश्वकर्मा, मय, वेदव्यास, भोज, टोडरमल, रामदैवज्ञ, मण्डन आदि)	07
इकाई 02	**ग्रामनियोजन** **मयमत** अध्याय 5 – मानोपकरण , अध्याय 9 - ग्रामविन्यास	07
इकाई 03	**नगरनियोजन** **मयमत** अध्याय 10 – नगरविधान **वास्तुमण्डन** अध्याय 3 - श्लोक 84 से समाप्तिपर्यन्त (जलाशयों के प्रकार, उद्यानविचार)	07
इकाई 04	**मन्दिर स्थापत्य** **बृहत्संहिता** अध्याय 55 – प्रासादलक्षणाध्याय मन्दिर स्थापत्य की विभिन्न शैलियाँ - नागर, द्रविड, बेसर, गुप्त, उड़ीसा, चन्देल, ग्वालियर, मदुरा, एवं राजस्थानी जैन शैली।	07
इकाई 05	**वास्तुविषयक गुणदोष** **वास्तुमण्डन** अध्याय 7 - दूषणभूषणाध्याय **वास्तु रत्नाकर** अध्याय 6 - गृहोपकरण प्रकरण	07

टीप- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें:

1. मयमतम् - शैलजा पाण्डेय - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतीय वास्तुशास्त्र का इतिहास - विद्याधर - चौखम्बा संस्कृत सीरिज
3. मन्दिर स्थापत्य का इतिहास - सच्चिदानन्द सहाय, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,
4. वास्तुमंडनम् . श्रीकृष्ण जुगनू चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. वास्तुरत्नाकर . विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

अङ्कविभाजन –

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15